

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of Ashur Bazzaz Educational Society)

ADMISSION OPEN

COLLEGE OF NURSING
2 YEARS
2 YEARS
4 YEARS
3 YEARS
2 YEARS

M.Sc. Nursing
Post Basic B. Sc. Nursing
B.Sc. Nursing
GNM (General Nursing And Midwifery)
ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)

COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS
2 YEARS
2 YEARS
2 YEARS
2 YEARS
2 YEARS
1 YEARS

BMLT
DMLT
OT ASSISTANT
ECG
OPHTHALMIC ASST.
CRITICAL CARE (ICU)
RADIO-IMAGING
ANESTHESIA TECH.
DRESSERS

COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS
4 YEARS
2 YEARS

D-PHARM
B-PHARM

Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnrba@gmail.com
Website: www.florenceinrba.com

न्यूज रीलस

प्रधानमंत्री मोदी को गुयाना और डोमिनिका का सर्वोच्च सम्मान



नयी लिली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कोरिड-19 महामारी के दौरान उनके महत्वपूर्ण योगदान और भारत व कैरिबियाई देशों के बीच संबंध मजबूत करने के उनके प्रयासों के लिए गुयाना और डोमिनिका द्वारा प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किये गये हैं। ये पुरस्कार मोदी के वैश्विक नेतृत्व, जलवायु अनुकूलन और विकास सहयोग में उनके योगदान को मान्यता देते हैं। प्रधानमंत्री मोदी को गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली द्वारा देश के सर्वोच्च सम्मान 'ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' से सम्मानित किया गया। वहीं, डोमिनिका की राष्ट्रपति सिल्वेनी बर्टन द्वारा उन्हें 'डोमिनिका अवार्ड ऑफ ऑनर' प्रदान किया गया।

अडाणी पर न्यूयॉर्क में धोखाधड़ी का आरोप

न्यूयॉर्क/नयी दिल्ली। अमेरिका में उद्योगपति गौतम अडाणी समेत 8 लोगों पर अरबों रुपये की धोखाधड़ी के आरोप लगे हैं। यूनाइटेड स्टेट्स अर्टोर्नी ऑफिस का कहना है कि अडाणी ने भारत में सोलर एनर्जी से जुड़ा कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को 265 मिलियन डॉलर (करीब 2200 करोड़ रुपये) की रिश्वत दी या देने की योजना बना रहे थे। यह पूरा मामला अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और एक अन्य फर्म से जुड़ा हुआ है। 24 अक्टूबर 2024 को न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट में यह केस दर्ज हुआ था। बुधवार को इसकी सुनवाई में गौतम अडाणी, उनके भतीजे सागर अडाणी, विनीत एस जैन, रंजीत गुप्ता, साइरिल कैबेनिस, सौरभ अग्रवाल, दीपक मल्होत्रा और रूपेश अग्रवाल को आरोपी बनाया गया है।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर किया पोस्ट, लिखा फुर्सत के पल फोटो में कल्पना सोरेन दिखाईं हेमंत सोरेन का बाल संवारते

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। विधानसभा चुनाव के लिए मतदान समाप्त हो गया है। चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन झामुमो के स्टार कैप्टन थे। दोनों ही नेताओं ने 100 से ज्यादा चुनावी सभाओं को संबोधित किया। एक-एक दिन में दोनों नेता छह से आठ सभाओं को संबोधित कर रहे थे। गठबंधन के प्रत्याशियों के चुनाव प्रचार में इस कदर व्यस्त रहे कि दोनों को अपने लिए वक्त ही नहीं मिला। दोनों खुद भी चुनाव मैदान में खड़े हैं। मुख्यमंत्री बरहट विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं,



कल्पना सोरेन गांडेय विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में हैं। अब चुनाव संपन्न हो गया और मतगणना का इंतजार है, तो दोनों

को आराम करने का मौका मिला। इस क्षण को मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया



पर दो तस्वीरों को शेयर किया, और लिखा कि फुर्सत के पल। एक फोटो में हेमंत सोरेन का बाल कल्पना सोरेन संवारती दिख रही

हैं, जबकि दूसरी तस्वीर में कल्पना सोरेन की मां भी हैं, जो कल्पना सोरेन के बालों की चंपी कर रही हैं।

एक महीना पांच दिन के बाद शांति का पल राजनीतिक दलों के कार्यालयों में पसरा सन्नाटा, नेता रहे रिलैक्स्ड, 23 नवंबर का इंतजार

शिवराज लौटे दिल्ली, कहा मीठी स्मृतियां लेकर जा रहा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी समेत अन्य लोगों से की मुलाकात

रांची (आजाद सिपाही)। केंद्रीय कृषि मंत्री और झारखंड भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी सहित भाजपा पदाधिकारियों को निवास पर आमंत्रित किया। उनके साथ अनौपचारिक बैठक की। इसके बाद शिवराज सिंह चौहान भाजपा कार्यालय पहुंचे। यहां के कर्मियों से मिले। सभी को चुनाव में अथक परिश्रम और सहयोग के लिए धन्यवाद किया। शिवराज सिंह ने कहा कि भाजपा एक परिवार है। परिवार में कोई मंत्री रहता है, कोई मुख्यमंत्री रहता है। लेकिन सभी कार्यकर्ता एक परिवार हैं, जो एक राष्ट्र



पुनरुत्थान के मिशन में लगे हुए हैं। चुनाव में उन्होंने ने भी दिन और रात मेहनत की है।

उन्होंने कहा कि झारखंड से बड़ी मीठी स्मृतियां लेकर जा रहा हूं। ये बड़ा अद्भुत प्रदेश

है। यहां बहुत संभावनाएं हैं। यहां की जनता ने बहुत स्नेह और प्यार दिया है।

दो स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था में सभी इवीएम स्ट्रांग रूम में सील: के रविकुमार झारखंड के 81 विधानसभा क्षेत्रों का मतदान प्रतिशत रहा 67.74

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा है कि दो स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था में सभी इवीएम स्ट्रांग रूम में स्क्रूटनी के बाद सील कर दिये गये हैं। पहले स्तर की सुरक्षा केन्द्रीय अर्द्धसैनिक बल के जिम्मे है। दूसरे स्तर की सुरक्षा व्यवस्था राज्य सशस्त्र बल के जवान संभाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मतगणना के दिन दो स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था तीन स्तरीय हो जायेगी। तीसरे स्तर की सुरक्षा व्यवस्था राज्य पुलिस के जिम्मे होगा। वह गुरुवार को निर्वाचन



सदन में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग का फोकस इस बार समाज के हासिये पर खड़े

लोगों को भी मतदान का हिस्सा बनाने पर था। इसके तहत सुदूर इलाके में जंगल-पहाड़ पर बसेरा करनेवाले से लेकर अलग-थलग रहनेवाले कुछ पीड़ितों तक को योजनाबद्ध तरीके से मतदान के लिए प्रेरित किया गया। झारखंड विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में जामताड़ा के हांसीपहाड़ी स्थित स्नेहपुर में कुछ पीड़ित मतदाताओं के लिए बनाए गए विशेष मतदान केंद्र में सभी 57 मतदाताओं ने अपने मत का इस्तेमाल किया। सामुदायिक भवन के मतदान केंद्र (362 क) मिहिजाम स्थित

स्नेहपुर कुछ आश्रम को सहायक मतदान केंद्र के रूप में गठित किया गया था। महिलाओं ने ज्यादा वोट किया: रविकुमार ने कहा कि दूसरे चरण में कुल 68.95 प्रतिशत मतदान हुआ है। पोस्टल बैलेट की गिनती के बाद मतदान प्रतिशत में और इजाफा होगा। उन्होंने बताया कि दोनों चरणों के मतदान का प्रतिशत 67.74 रहा है। मतदान में पुरुषों की अपेक्षा महिला मतदाताओं ने ज्यादा मतदान किया है। वहीं शहर की अपेक्षा ग्रामीण मतदाता मतदान में आगे रहे हैं।

आठ बजे सुबह शुरू होगी मतगणना

रविकुमार ने कहा कि राज्य के सभी 24 जिला मुख्यालयों में मतगणना केंद्र बनाये गये हैं। 23 नवंबर की सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू होगी। सबसे पहले पोस्टल बैलेट की गिनती होगी। 8.30 बजे से इवीएम के मतों की गिनती शुरू की जायेगी। पहले राउंड की मतगणना का रिजल्ट 9.30 बजे संभावित है।

YASH ENTERPRISES

Deals In :
All Types of CP Bath Fitting,
Pumps, Sanitaryware, Pipes & Fitting

J.J Road, Beside, Deepak Trading
Upper Bazar, Ranchi - 01
Mob.: 9835901322, 9709082614

23 तारीख तय करेगा 24 साल के झारखंड को कौन चाहिए

पांच साल की मेहनत का फल चाहे जिसे मिले, विकास ही सबका लक्ष्य

बस कुछ घंटे और। फिर दुनिया के सामने होगी 24 साल के झारखंड की सबसे बड़ी पंचायत, यानी विधानसभा के छठे संस्करण की तस्वीर। इस विधानसभा में कौन कियर बैठेगा, यह तय हो जायेगा और इसके साथ ही झारखंड की विकास यात्रा का नया अध्याय भी शुरू होगा। पांच साल की सियासी खेती में की गयी मेहनत के बाद अब फसल पक कर तैयार है और इसके काटने का समय आ गया है। कभी भारत में राजनीति की प्रयोगशाला के रूप में चर्चित इस राज्य ने सियासी मैदान में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन इतना तय है कि इसके बावजूद विकास की इसकी भूख खत्म नहीं हुई है और न इसके सपनों में जंग लगे हैं। झारखंड की

साढ़े तीन करोड़ जनता छठी विधानसभा में चुन कर आनेवाले अपने सियासी रहनुमाओं से अब यही उम्मीद लगाये बैठी है कि वे इस राज्य को विकास के रास्ते पर कितनी तेजी से आगे ले जाते हैं। आज पूरा झारखंड इस बात का हिसाब-किताब कर रहा है कि पिछले पांच साल के दौरान राज्य ने क्या हासिल किया और क्या खोया। राजनीतिक स्थिरता के एक दशक के बाद झारखंड में इस बार का चुनाव परिणाम चाहे

कुछ भी हो, सत्ता चाहे जिसे मिले, एक बात तय है कि यहां के लोग अब राजनीति की पथरीली जमीन को जानने-समझने लगे हैं। विकास की अपनी भूख और आगे बढ़ने के अपने सपने को पंख देने के लिए झारखंड अब हर वह जतन करने को तैयार है, जिस पर सवार होकर सियासी ताकतें चुनावी फसल काटती हैं। झारखंड को चुनाव परिणाम का इंतजार है और साथ ही इस बात का भी इंतजार है कि

उसके फैसले से विधानसभा का क्या रंग उभरता है। शायद झारखंड का यह एक मात्र ऐसा विधानसभा चुनाव है, जहां कोई भी प्रत्याशी या राजनीतिक विशेषज्ञ खुले तौर पर नहीं कह सकता कि राज्य की कमान किस ओर जाने वाली है, या कौन सा प्रत्याशी जीतने ही वाला है। इस बार की फाइट सही मायने में टक्कर वाली ही हुई है। यह झारखंड के भविष्य के लिए अच्छा संकेत है, क्योंकि वोटर्स ने भी इस चुनाव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। जनमानस के इन सवालों की पुष्टि भी में क्या है झारखंड की समस्याएं, कैसे विकास के रास्ते पर आगे बढ़ सकता है झारखंड, बता रहे हैं



है कि इस राज्य की सियासी तस्वीर क्या है और क्या है इसका चुनावी इतिहास।

अब तक किसी दल को अकेले बहुमत नहीं मिला

अलग राज्य बनने के 14 साल तक झारखंड ने जो राजनीतिक अस्थिरता झेली, उसके पीछे है यहां की सत्ता का वह अंकगणित, जिसे साध कोई भी सियासी दल बहुमत के लिए जरूरी 41 के जादुई आंकड़े तक नहीं पहुंच सका। झारखंड विधानसभा की कुल सदस्य संख्या 81 है। इस सदन में बहुमत के लिए जरूरी जादुई आंकड़ा 41 सीटों का है। देखने में यह संख्या भले ही कम लग रही हो, लेकिन झारखंड के चुनावी समर में उतरने वाले हर दल के लिए यही संख्या किसी बहुत ऊंची चोटी से कम नहीं। कम से कम अभी तक हुए चार विधानसभा चुनावों में तो कोई भी दल इस आंकड़े तक नहीं पहुंच सका है। 2014 में भाजपा को 37 विधानसभा सीटों पर जीत मिली थी और यही यहां के चुनावी इतिहास में किसी दल का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

2009 में चार दलों ने पार की थी दहाई की संख्या

झारखंड चुनावों के अतीत पर नजर डालें, तो अब तक केवल एक चुनाव में ऐसा हो सका है,



झारखंड का 14वां मुख्यमंत्री कौन? फैसला 23 नवंबर को

जब चार पार्टियों को 10 या उससे ज्यादा सीटों पर जीत मिली थी। ऐसा 2009 के विधानसभा चुनाव में हुआ था, जब भाजपा और झामुमो, दोनों ही पार्टियों को 18-18 सीटों पर जीत मिली थी। तब कांग्रेस ने भी 14 और झारखंड विकास मोर्चा (जेवीएम) ने 11 सीटें जीती थीं। 2009 के विधानसभा चुनाव से पहले या उसके बाद ऐसा कभी नहीं हुआ

जब तीन से ज्यादा पार्टियों की सीटें दो अंकों में पहुंची हों।

दो चुनावों में 30 के फेर में फंसे सियासी दल

राज्य के दो चुनाव ऐसे भी रहे, जब सियासी दल 30 के फेर में फंसे। 2005 में भाजपा सबसे बड़ा दल बनकर उभरी, लेकिन

सीटें उसकी 30 थीं। यही इतिहास दोहराया गया 2019 में भी, जब झामुमो सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और उसकी सीटें भी 30 ही रहीं। 2005 में झामुमो 17 सीटें जीतकर दूसरे नंबर पर रही थी और तीसरे नंबर की पार्टी कांग्रेस के पास नौ सीटें थी। 2019 के चुनाव में भी नंबर तीन कांग्रेस ही रही, लेकिन सीटें इस बार 16 थीं।

अब झारखंड की चुनौतियों की बात

आज केवल झारखंड ही नहीं, पूरी दुनिया उस सियासी फसल के कटने का इंतजार कर रही है, जिसे झारखंड में पिछले पांच साल में तैयार किया गया है। राज्य के मतदाताओं ने छठी विधानसभा के लिए अपना फैसला सुना दिया है और इस फैसले की जानकारी कुछ

घंटे बाद दुनिया को मिल जायेगी। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि इस फसल के पौष्टिक तत्व केवल उस सियासतदानों को मिल जायेंगे, जो राज्य की सत्ता पर बैठेंगे या फिर यहां की साढ़े तीन करोड़ जनता तक भी उस पौष्टिकता को पहुंचाया जायेगा। देश के आर्थिक विकास की दौड़ में झारखंड अभी बहुत पीछे है, यह बात सभी जानते हैं, लेकिन इस पिछड़ेपन का कारण

क्या है, इस पर कभी गंभीरता से विचार नहीं किया गया। चुनाव परिणाम के इंतजार में बीत रहा आज का दिन उन सवालों पर विचार करने और उन चुनौतियों से पार पाने का रास्ता तलाशने का भी अवसर है, जिसने इस राज्य के विकास की गाड़ी में ब्रेक लगा रखा है। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि झारखंड ने इन 24 सालों में प्रगति भी की है, लेकिन वह काफी नहीं है। आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्तर के अलावा रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि के स्तर पर अब भी बहुत कुछ किये जाने की जरूरत है।

इस चुनाव परिणाम का एक रस यह भी होगा कि इसमें उस युवा का फैसला भी नजर आयेगा, जो झारखंड में पैदा हुआ है। इस परिणाम से यह पता चलेगा कि झारखंड में पैदा हुआ वह बच्चा कितना जिम्मेवार, कितना वयस्क और कितना जागरूक बन पाया है। यह भी एक हकीकत है कि तमाम ऊंचाइयां हासिल करने के बावजूद कुछ ऐसी चुनौतियां झारखंड के सामने मुंह बाये खड़ी हैं, जिन्हें हमेशा के लिए खत्म करना अब जरूरी हो गया है। इन तमाम परिस्थितियों के बीच चुनाव परिणाम जानने की अकुलाहट से इतर एक ही बात झारखंड बार-बार कह रहा है। और वह यह कि चुनाव मैदान की कड़वाहट को भूल कर अब बात राज्य-समाज के विकास की हो, आगे बढ़ने की हो और देश के विकास की दौड़ में आगे आने की हो।

रांची में स्ट्रांग रूम की बढ़ायी गयी निगरानी

तीन लेयर का सुरक्षा घेरा, ट्रैफिक में बदलाव

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 का मतदान संपन्न हो चुका है। अब मतगणना की बारी है। राजधानी रांची सहित राज्य के सभी जिलों के मतगणना केंद्र की सुरक्षा को लेकर खास इंतजाम किए गए हैं। रांची में तीन लेयर का सुरक्षा घेरा स्ट्रांग रूम को लेकर तैयार किया गया है।

केंद्रीय बलों की भी तैनाती : रांची के पंडरा बाजार समिति स्थित मतगणना स्थल की सुरक्षा को लेकर रांची पुलिस ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा खुद सुरक्षा की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। 500 से अधिक जवानों और पदाधिकारियों को मतगणना स्थल की सुरक्षा के लिए तैनात किया गया है।

इस संबंध में रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि स्ट्रांग रूम की सुरक्षा का एसओपी चुनाव आयोग के द्वारा तय किया गया है। तय एसओपी के तहत स्ट्रांग रूम के सबसे इतर मोस्ट कॉरिडोर की सुरक्षा की जिम्मेवारी केंद्रीय बलों के हवाले है। इनर मोस्ट में उसी व्यक्ति को प्रवेश मिलेगा, जो वहां के लिए अधिकृत होगा। वहीं मिडिल कॉरिडोर झारखंड पुलिस की ईको कंपनी के हवाले है। साथ ही आउटर कॉरिडोर की सुरक्षा की जिम्मेवारी जिला पुलिस के हवाले की गई है। इसके अलावा 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरे स्ट्रांग रूम के बाहर और भीतर लगाए गए हैं। साथ ही साथ स्ट्रांग रूम



कंट्रोल रूम बनाया गया

रांची एसएसपी ने बताया की पंडरा में कंट्रोल रूम भी बनाया गया है। जहां सीसीटीवी कैमरों से लाइव फीड को देख कर मॉनिटर किया जाएगा। मतगणना की शुरूआत से लेकर जीत का सर्टिफिकेट जारी होने तक कंट्रोल रूम कार्यरत रहेगा।

रांची में काउंटिंग को लेकर ट्रैफिक व्यवस्था में किया गया बदलाव



विधानसभा चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। अब 23 नवंबर को पंडरा बाजार समिति में वोटों की काउंटिंग होना है। इस दिन विभिन्न प्रत्याशियों और उनके सहयोगी हजारों की संख्या में उपस्थित होंगे। चुनाव में विजयी हुए प्रत्याशी और उनके सहयोगियों द्वारा विजय जुलूस निकाली जायेगी, जिसमें काफी संख्या में आम लोगों का भीड़-भाड़ और वाहनों का आना-जाना होगा। इसे लेकर रांची शहर में ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया गया है।

के बाहरी हिस्से में लगातार पुलिस को पेट्रोलिंग करने की

कल ऐसी रहेगी ट्रैफिक व्यवस्था

- सुबह आठ बजे से रात्रि आठ बजे तक पिस्का मोड़ से तिलता चौक रिंग रोड तक छोटे मालवाहक ऑटो ई-रिक्शा, बस का प्रवेश और परिचालन वर्जित रहेगा। इसके अलावा दोपहर दो बजे से रात के नौ बजे तक शहर में छोटे, बड़े मालवाहक वाहनों का प्रवेश और परिचालन वर्जित रहेगा।
- सुबह आठ बजे से रात्रि आठ बजे तक पिस्का मोड़ से पंडरा एवं काटीटींटी की ओर जाने वाले सभी ऑटो ई-रिक्शा, बस पिस्का मोड़ से बाएं मुड़कर कटहल मोड़ होते हुए अपने गंतव्य स्थान तक जा सकते हैं। इसके अलावा तिलता रिंग रोड से पिस्का मोड़ की ओर आने वाले ऑटो, ई-रिक्शा, बस तिलता चौक से बाएं या दाएं मुड़कर रिंग रोड से अपने गंतव्य स्थान तक जा सकते हैं।
- न्यू मार्केट चौक से पिस्का मोड़, पिस्का मोड़ चौक से तिलता चौक रिंग रोड बीच के मार्ग का उपयोग शहर में प्रवेश और बाहर जाने के लिए कम से कम करें आवश्यकतानुसार विजय जुलूस के दौरान अन्य मार्गों को कम समय के लिए डायवर्ट और बंद किया जा सकता है।

हिदायत दी गई है। मतगणना स्थल में प्रवेश करने के लिए

पदाधिकारियों को तीनों जगहों पर हस्ताक्षर करना होगा।

23 नवंबर को पंडरा में होने वाली काउंटिंग के लिए निगम ने शुरू किया सफाई अभियान



रांची (आजाद सिपाही)। 23 नवंबर की सुबह आठ बजे से झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए पंडरा (रांची) में काउंटिंग होगी। रांची जिले के विधानसभा क्षेत्रों के लिए अलग-अलग काउंटिंग हाल की व्यवस्था की गयी है। रांची, हटिया, कांके, मांडर, तमाड़ विधानसभा सीट की मतगणना पंडरा में होगी। रांची नगर निगम अपने स्तर से पंडरा में साफ-सफाई में जुट गया है। नगर आयुक्त के निर्देशानुसार निगम द्वारा 23 नवंबर को होने वाली मतगणना के मद्देनजर पंडरा स्थित वोटिंग काउंटिंग सेंटर परिसर तथा उसके आस-पास के क्षेत्र में विशेष साफ-सफाई व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही पेयजल के लिए वाटर टैंकर, चलंत शौचालय व कूड़ेदान की व्यवस्था भी की जा रही है। गौरतलब है कि राज्य भर में पहले चरण में 13 नवंबर को 43 और दूसरे चरण में 20 नवंबर को 38 सीटों के लिए मतदान हुआ था। अब 23 नवंबर को मतगणना की तैयारी है। इसे देखते सभी जिलों में मतगणना सेंटर के आसपास सुरक्षा की व्यवस्था की गयी है। साफ-सफाई का अभियान भी निरंतर चलाया जा रहा है।

एसएसपी ने लिया जायजा : रांची के पंडरा स्थित स्ट्रांग रूम में अलग-अलग विधानसभा क्षेत्र के लिए अलग-अलग काउंटिंग टेबुल बनाए गए हैं। एसएसपी के अनुसार पुलिस की कोशिश होगी की तय तिथि को जल्द से जल्द काउंटिंग की प्रक्रिया पूरी कर ली जाए। पोस्टल-बैलेट की काउंटिंग

आरओ टेबुल पर होगी और संभवतः सुबह 8:30-9:00 बजे तक पहला रद्धान आ जाएगा। जीत-हार के बाद किसी तरह का उपद्रव न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा। एसएसपी खुद स्ट्रांग रूम परिसर का भ्रमण कर उन बारीकी से सुरक्षा का जायजा ले चुके हैं।

मत्स्य कृषकों के सशक्तिकरण के लिए प्रयास सराहनीय : अलका



मुख्य सचिव ने किया झारखंड पवेलियन में मत्स्य निदेशालय के स्टॉल का अवलोकन

केज कल्चर से मछली पालन और जलाशयों में मोती उत्पादन की विधियों से अवगत हुए लोग

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची/नई दिल्ली। नई दिल्ली स्थित प्रगति मैदान में आयोजित 15 दिवसीय भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ - 2024) के झारखंड पवेलियन में मत्स्य निदेशालय का स्टॉल दर्शकों/आगंतुकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। स्टॉल पर प्रदर्शित जलाशयों में मोती की खेती और केज कल्चर से मत्स्य पालन की विधि से लोग अवगत हो रहे हैं। मत्स्य निदेशालय के अधिकारियों के मुताबिक अब तक हजारों की संख्या में लोग मत्स्य निदेशालय के स्टॉल का अवलोकन कर चुके हैं। इंडियन इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में अब तक भारत सरकार और झारखंड सरकार ने पदस्थापित वरिष्ठ पदाधिकारी, राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के सचिव व अन्य अधिकारी सहित काफी संख्या में

केंद्र व राज्य सरकार के अधिकारीगण स्टॉल का अवलोकन कर चुके हैं। झारखंड में केज कल्चर से मत्स्य पालन की विधि और जलाशयों में मोती उत्पादन के तरीके लोगों के लिए कौतूहल का केंद्र बना हुआ है। गुरुवार को झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी ने मत्स्य निदेशालय के स्टॉल का अवलोकन किया। उन्होंने झारखंड में मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की। श्रीमती तिवारी ने मछली उत्पादन में झारखंड राज्य को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निदेशालय के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विभागीय योजनाओं की अद्यतन स्थिति की भी जानकारी ली। वहीं, स्टॉल पर मौजूद मत्स्य विभाग के अधिकारियों व कर्मियों का उन्होंने उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उप मत्स्य निदेशक संजय कुमार गुप्ता, सहायक मत्स्य निदेशक (तकनीकी) रेवती हांसदा, मत्स्य प्रसार पदाधिकारी रजनी गुप्ता, एसपीएम दुर्गेश कुमार मिश्र, डीपीएम आशीष तिवारी सहित काफी संख्या में दर्शक उपस्थित थे। उक्त जानकारी झारखंड मत्स्य निदेशालय के मुख्य अनुदेशक प्रशांत कुमार दीपक ने दी।

मिलने से सभी कोई बहुत ही खुश दिखायी दे रहे थे। सभी ने पंकज पोद्दार को बहुत बहुत धन्यवाद दिया। इस सेवा के महान कार्य में आश्रम के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, मनोज कुमार चौधरी, संस्था के वरिष्ठ सदस्य डंगरमल अग्रवाल, निर्मल जालान, शिव भगवान अग्रवाल, ओमप्रकाश सारवगी, पवन पोद्दार, पूरणमल सराफ इनके अलावा भी और बहुत से सदस्य उपस्थित थे। यह जानकारी आश्रम के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल ने दी।

As per Affidavit Ref. No. 6138 dated 29.10.2024, I, Manjoor Alam Ansari, Aadhaar No. 4407 7504 0462, S/O Md. Husen, aged about 39 years, by faith-Islam, resident of Villages Kaswagarh, P.O.-I.E.L Gomia, P.S.-I.E.L Gomia, Dist.-Bokaro (Jharkhand) do hereby solemnly affirm and declare as follows: 1 That, my Nationality is Indian. 2. That, my actual and correct name is MANJOOR ALAM ANSARI as per my AADHAAR card number-4407 7504 0462. 3. That, in my Bank Account of Bank of India, Gomia Branch vide A/C No. 481110110014792 my name has been registered as MANJUR ALAM which is required to be corrected as MANJOOR ALAM ANSARI. 4. That, MANJOOR ALAM ANSARI and MANJUR ALAM both are same and one person i.e. myself. 5. That, I want that my name should be rectify as MANJOOR ALAM ANSARI in place of MANJUR ALAM in said account. 6. That, this affidavit is being made for the concerned officers as per the requirement.

घुटती सांसों का सवाल

लगातर तीसरे दिन बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की हवा में प्रदूषण का स्तर सीवियर यानी गंभीर श्रेणी में रहा। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने प्राइवेट सेक्टर कंपनियों के लिए निर्देश जारी किया कि 50 फीसदी वर्कफोर्स को वर्क फ्रॉम होम की सुविधा दे दी जाये। कई और भी कदम उठाये गये हैं, लेकिन वे सब आपातकालीन और तात्कालिक उपायों की ही श्रेणी में आते हैं। हवा में प्रदूषण का बेहद खतरनाक स्तर भले दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में देखा जा रहा हो, यह समस्या यहां तक सीमित नहीं है। उत्तर भारत के बड़े इलाके में लोग इस समस्या से जुझ रहे हैं। इसी सप्ताह दिल्ली के साथ-साथ लखनऊ और पटना को देश के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में माना गया। यूं भी विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी इकॉनमी की राजधानी अगर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहर के रूप में देखी जा रही है और वर्षों की कोशिशों के बाद भी स्थिति जिस की तस दिख रही है तो इसे एक स्थानीय समस्या नहीं माना जा सकता। सबसे बड़ी बात तो यह है कि न तो इस समस्या का स्वरूप अनजाना है, न इसके कारण अज्ञात हैं और न ही इससे बचाव के उपायों को लेकर किसी तरह की अनभिज्ञता है। हवा में प्रदूषण की कितनी मात्रा वाहनों के धुएं से आती है, कितनी इंडस्ट्री से निकलने वाले उत्सर्जन से, कितनी इस क्षेत्र में होने वाले निर्माण कार्यों से और कितनी आसपास के राज्यों में पराली जलाये जाने से- इसे लेकर थोड़ा-बहुत अंतर भले ही अलग-अलग

हवा में प्रदूषण की कितनी मात्रा वाहनों के धुएं से आती है, कितनी इंस्ट्री से निकलने वाले उत्सर्जन से, कितनी इस क्षेत्र में होने वाले निर्माण कार्यों से और कितनी आसपास के राज्यों में पराली जलाये जाने से- इसे लेकर थोड़ा-बहुत अंतर भले ही अलग-अलग विगाड़ने में इन सबका सम्मिलित योगदान है।

स्टडीज में देखा गया हो, इसमें कोई दो राय नहीं कि हवा की गुणवत्ता बिगाड़ने में इन सबका सम्मिलित योगदान है। लिहाजा, धीरे-धीरे इन कारकों को नियंत्रित करने वाले ठोस कदम अगर नहीं उठाये जा रहे तो इसके पीछे इच्छा शक्ति की कमी को ही जिम्मेदार मानना होगा। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि आम लोग भी इसे एक मौसमी समस्या मान कर चल रहे हैं। यही कारण है कि न तो यह चुनावी मुद्दा बन पाता है और न ही निर्वाचित प्रतिनिधि इस गंभीरता से लेकर हल करने की जरूरत महसूस करते। बयानबाजी के जरिए एक-दूसरे पर दोषारोपण करके काम चला लिया जाता है। याद रखना चाहिए कि दिल्ली एनसीआर देश का सबसे समृद्ध इलाका है। यहां की प्रति व्यक्ति आय बाकी पूरे देश से ढाई गुना ज्यादा है, लेकिन क्वालिटी ऑफ लाइफ का जहां तक सवाल है, तो पिछले साल यानी 2023 में इस क्षेत्र के लोगों को मॉडरेट और बेहतर हवा वाले 200 दिन ही मिले। ऐसे में डर है कि प्रफेशनल्स की विरादरी दिल्ली को पनिसमेंट पोस्टिंग न मानने लग जाये।

अभिमत

आजाद सिपाही

अभिमत

आजाद सिपाही

बलबीर पुंज

बीते दिनों यूरोपीय देश नीदरलैंड की राजधानी एम्स्टर्डम में यहूदियों को फिलिस्तीन समर्थकों द्वारा निशाना बनाया गया। सदियों से यहूदी मजहबी कारणों से ईसाइयत और इस्लाम के निशाने पर हैं। इसी तरह हिंदुओं के उत्पीड़न का भी काला इतिहास है। इन सबके सैंकड़ों नहीं, बल्कि हजारों उदाहरण और प्रमाण मौजूद हैं। आखिर मजहब के नाम पर व्यक्ति द्वारा अन्य ईसा्यों को प्रताड़ित करने के पीछे कौन-सी मानसिकता या विचारधारा है?

आखिर एम्स्टर्डम में क्या हुआ था? बीते 7 नवंबर को यहां खेले गये एक फुटबॉल मैच में इसराइली टीम भारी अंतर से हार गयी थी। जब निराश इसराइली प्रशंसक स्टेडियम से बाहर निकले, तब फिलिस्तीन समर्थकों ने अपनी गाड़ियों में सवार होकर उन्हें दौड़ा-दौड़ा कर मारना-पीटना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर इसकी कई वीडियो वायरल हैं, जिसमें यहूदियों को पीटते, उनका चाकुओं से पीछा करते और सार्वजनिक-निजी संपत्ति को तोड़ते हुए देखा जा सकता है। कुछ यहूदी अपनी जान बचाने के लिए स्थानीय इमारतों में घुसते और नहर में कूदते भी नजर आये। मामले में 62 लोगों की गिरफ्तारी हुई है, जबकि 10 घायल हैं। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री ने कहा, यह एक भयानक यहूदी विरोधी हमला है। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। मैं बेहद शर्मिदा हूं कि 2024 में नीदरलैंड में ऐसा हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी यहूदियों पर हमले को शर्मनाक और घृणित बताया है।

यूरोप में यहूदी-विरोधी हिंसा में काफी वृद्धि हुई है। अकेले नीदरलैंड में वर्ष 2022-23 के बीच यहूदियों पर

हिटलर

की अगुवाई में

ईसाई बहुल गर्मनी

में 1933-1945 के

बीच यहूदियों पर

मरकर अत्याचार

हुआ था।



बीते 7 नवंबर को यहां खेले गये एक फुटबॉल मैच में इसराइली टीम भारी अंतर से हार गयी थी। जब निराश इसराइली प्रशंसक स्टेडियम से बाहर निकले, तब फिलिस्तीन समर्थकों ने अपनी गाड़ियों में सवार होकर उन्हें दौड़ा-दौड़ा कर मारना-पीटना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर इसकी कई वीडियो वायरल हैं, जिसमें यहूदियों को पीटते, उनका चाकुओं से पीछा करते और सार्वजनिक-निजी संपत्ति को तोड़ते हुए देखा जा सकता है।

इस नफरत का स्रोत क्या है?



हमलों में 245 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हमاس के हमले के बाद ब्रिटेन में 550 यहूदी-विरोधी घटनाएं दर्ज हुई हैं। फ्रांस भी इससे अछूता नहीं है। क्या इस बवाल की जड़ें केवल 7 अक्टूबर 2023 को फिलिस्तीन समर्थक हमास जिहादियों द्वारा इसराइल पर घातक आतंकवादी हमले के बाद इसराइल की अब तक जारी जवाबी सैन्य कार्रवाई (बहुपक्षीय), जिसमें 40 हजार से अधिक लोगों की मौत का दावा किया जा रहा है, तक ही हैं? सच तो यह है कि यहूदियों को हालिया कारणों से ही नहीं, बल्कि मजहबी कारणों से भी सतत उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। विश्व विख्यात इनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका के अनुसार, पहली शताब्दी में ईसाइयत के विस्तार के बावजूद अधिकांश यहूदी उसे मजहब के रूप में अस्वीकार करते रहे। इसके परिणामस्वरूप, चौथी शताब्दी तक ईसाइयों ने ईसा मसीह और चर्च को अस्वीकार करने के कारण यहूदियों को अलग समुदाय मानना शुरू कर दिया।

जब ईसाई चर्च रोमन साम्राज्य में

प्रभावशाली हुआ, तब उसने रोमन सम्राटों को यहूदी विरोधी कानून बनाने के लिए प्रेरित किया। इनका उद्देश्य ईसाई प्रभुत्व को चुनौती देने वाले किसी भी खतरे को समाप्त करना था। इस कारण यहूदी यूरोपीय समाज में हाशिए पर धकेल दिये गये। इस चिंतन का भयावह रूप मध्यकाल में भी दिखा। वर्ष 1466 में तत्कालीन पोप पॉल-2 के निर्देश पर क्रिसमस के दिन रोम में यहूदियों को सरेआम निर्वस्त्र करके घुमाया गया था। कालांतर में यहूदी पुजारियों (रब्बी) को जोकर के कपड़े पहनाकर उनका जलूस निकाला जाने लगा। 25 दिसंबर 1881 को पोलैंड के वारसा में 12 यहूदियों को उन्मादी ईसाइयों ने निर्ममता से मौत के घाट उतार दिया, तो कई महिलाओं का बलात्कार तक किया। इस प्रकार की प्रताड़ना के अर्संख्य उदाहरण हैं। यहूदी-विरोधी अभियानों ने सदियों तक यूरोप में यहूदियों के लिए असुक्ष्ा, उत्पीड़न और हिंसा का माहौल बनाया, जो चर्च के समर्थन से यूरोपीय समाज और संस्कृति में गहराई तक समा गयी, जिसने आगे चलकर 20वीं शताब्दी में तानाशाह

एडोल्फ हिटलर जनित होलोकॉस्ट का रूप लिया।

हिटलर की अगुवाई में ईसाई बहुल जर्मनी में 1933-1945 के बीच यहूदियों पर भयंकर अत्याचार हुआ था। इसे प्रारंभ में चर्च का मुखर समर्थन प्राप्त था। एक आंकड़े के अनुसार, तब लगभग 60 लाख यहूदियों (15 लाख बच्चों सहित) की हत्या कर दी गयी थी। यहूदियों को जड़ से मिटाने के अपने मकसद को हिटलर ने इतने प्रभावी ढंग से अंजाम दिया कि दुनिया की एक तिहाई यहूदी आबादी खत्म हो गयी। चूंकि हिटलर का जन्म एक ईसाई परिवार में हुआ था, तो क्या उसे नरपिशाची रूप से यहूदियों के नरसंहार की प्रेरणा सदियों तक चले यहूदी-विरोधी अभियानों से मिली थी? बात यदि भारतीय उपमहाद्वीप की करें, तो वर्ष 712 में अरब आक्रांता मोहम्मद बिन कासिम ने सिंध पर हमला करके भारत में इस्लाम के नाम पर मजहबी दमन का सूत्रपात किया था। उसी मानस से प्रेरित होकर कालांतर में गजनी, गौरी, खिलजी, तैमूर, तुगलक, बाबर,

औरंगजेब, टीपू सुल्तान आदि ने यहां की मूल सनातन संस्कृति और प्रतीकों को क्षत-विक्षत किया और ऐसा उनके मानसपुत्रों द्वारा आज भी हो रहा है।

इन्हीं जिहादियों की प्रेरणा से भारत के एक तिहाई क्षेत्र पर इस्लाम का कब्जा (पाकिस्तान-बंगलादेश) है, जहां इस्लाम-पूर्व संस्कृति के ध्वजवाहकों (हिंदू, सिख और बौद्ध) के लिए कोई स्थान नहीं है। यही नहीं, जब उत्तर-भारत में इस्लामी प्रचार-प्रसार के नाम पर मजहबी शासकों का आतंकवाद चमर पर था, तब 16वीं शताब्दी में दक्षिण-भारत में जेसुइट मिशनरी फ्रांसिस जेवियर ईसाइयत के प्रचार के लिए भारत पहुंचे थे। उस समय जेवियर ने गोवा ईक्विजेशन के जरिए गैर-ईसाइयों के साथ उन सीरियाई और मतांतरित ईसाइयों के खिलाफ भी हिंसक मजहबी अभियान चलाया था, जो रोमन कैथोलिक चर्च का अनुसरण नहीं कर रहे थे। मजहबी मतांतरण का यह कुचक्र अब भी जारी है।

क्या कारण है कि स्वघोषित सभ्य-सुसंस्कृत लोग बड़ी बेशर्मी के साथ घृणा के नायकों को गौरवान्वित करते हैं? यह उपयुक्त ही है कि कोई भी हिटलर का नाम नहीं रखता और उसे गाली का पर्याय माना जाता है। लेकिन क्या स्टालिन-लेनिन जैसे नामों के प्रति भी वैसा तिरस्कार का भाव नहीं होना चाहिए, जिन्होंने अपने शासन के दौरान लाखों मासूमों को उनसे असहमति रखने के कारण मौत के घाट उतार दिया था? देश में एक प्रसिद्ध फिल्मी घराने ने अपने बेटे का नाम तैमूर रखा है।

वर्ष 1398 में तैमूर ने भारत पर हमला इसलिए किया था, क्योंकि उसकी शिकायत थी कि तत्कालीन इस्लामी आक्रांता स्थानीय हिंदुओं का वैसा दमन नहीं कर रहे हैं, जैसा एक काफिर के लिए अपेक्षित है। आखिर यह कौन-सी विचारधारा है, जो एक मानव को वीभत्स राक्षस बना देती है?

राष्ट्रपति ने उत्कल केसरी डॉ हरेकृष्ण महताब की 125वीं जयंती समारोह का उद्घाटन किया

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली/भुवनेश्वर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को नयी दिल्ली में उत्कल केसरी डॉ हरेकृष्ण महताब की 125वीं जयंती समारोह का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ हरेकृष्ण महताब एक दूरदर्शी नेता थे। वे जानते थे कि केवल कायिक विकास ही पर्याप्त नहीं, बल्कि सांस्कृतिक जागरूकता भी आवश्यक है। डॉ महताब एक प्रख्यत लेखक थे और उन्होंने लेखन के साथ ही ओडिशा में एक स्वस्थ, सांस्कृतिक वातावरण निर्मित किया। उन्होंने ओडिशा के कला, साहित्य और संगीत को बढ़ावा देने में विपुल योगदान



दिया। राष्ट्रपति ने कहा कि ओडिशा के मुख्यमंत्री रहते डॉ हरेकृष्ण महताब के कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण विकास कार्य हुए। उन्होंने महानदी पर बहुउद्देश्यीय बांध परियोजना के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। हीराकुंड और अन्य परियोजनाओं से ओडिशा बिजली उत्पादन के

क्षेत्र में अग्रणी राज्य बन गया। ओडिशा विधानसभा, राज्य सचिवालय, राज्य संग्रहालय, विभिन्न राजदमियों और नंदनकानन चिड़ियाघर की स्थापना में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। डॉ महताब ने राज्य में खेलों के विकास को भी काफी महत्व दिया। उनके मार्गदर्शन में ही कटक

में बाराबती स्टेडियम का निर्माण हुआ। तत्कालीन बॉम्बे प्रांत के राज्यपाल के अपने कार्यकाल में उन्होंने कई लोक कल्याणकारी कार्य किये, जिसके कारण उस समय के वृद्ध अविभाजित बॉम्बे प्रांत के लोगों से उन्हें काफी सम्मान मिला।

राष्ट्रपति ने कहा कि डॉ हरेकृष्ण महताब ने देशभक्ति को ही देश के विकास का आधार माना। उन्होंने अपने वक्तव्यों और लेखों द्वारा लोगों को राष्ट्रवादी विचारों से अभिप्रेरित किया। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि डॉ हरेकृष्ण महताब का नेतृत्व कौशल और राष्ट्रवादी संघर्षों को सलाह दी जाती है कि वे दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थित कार्यालयों के संबंध में अलग-अलग समय अपनायें। आदेश में आगे लिखा है, कार्यालय सुबह 9 बजे से शाम 5.30 बजे तक और सुबह 10 बजे से शाम 6.30 बजे तक खुले रह सकते हैं।

दिल्ली सरकार पहले कर चुकी घोषणा : इससे पहले दिल्ली सरकार ने घोषणा बुधवार को

किसी सामान्य क्रूज या बैलिस्टिक मिसाइल से किया है। इसके लिए आइसीबीएम का इस्तेमाल नहीं हुआ है। इससे पहले बुधवार को यूक्रेन ने ब्रिटेन की स्टॉर्म शैडो क्रूज मिसाइल और मंगलवार को अमेरिकी एटीसीएमएस मिसाइल से हमला किया था।

यूक्रेन की एयर फोर्स ने यह भी दावा किया कि आइसीबीएम के अलावा रूस ने 7 केएच-101 क्रूज मिसाइल से भी हमले किए। इनमें से 6 मिसाइलों को मार गिराया गया। रूस ने यूक्रेन पर किंगल हाइपरसॉनिक मिसाइल भी दागीं। रूस ने पिछले महीने कहा था कि अगर नाटो देशों के हथियारों का इस्तेमाल उसकी जमीन पर होता है, तो इसे तीसरे विश्व युद्ध की शुरुआत समझा जायेगा।

रूस ने इंटरकांटिनेंटल मिसाइल से हमला किया

यूक्रेन ने किया दावा : हमले अस्त्राखान इलाके से किये गये

एजेंसी
कीव। यूक्रेन ने दावा किया है कि रूस ने उसके निग्रो शहर पर गुरुवार सुबह इंटरकांटिनेंटल मिसाइल (आइसीबीएम) से हमला किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये हमले अस्त्राखान इलाके से किये गये। हालांकि रूस ने आइसीबीएम मिसाइल से हमले की पुष्टि नहीं की है। अस्त्राखान और निग्रो के बीच की दूरी 700 किमी है।

अमेरिकी न्यूज चैनल एबीसी न्यूज ने पश्चिमी देशों के अधिकारियों के हवाले से कहा है कि यूक्रेन हमले को बढ़ा-चढ़ा कर बता रहा है। ये हमला रूस ने

प्रदूषण से दिल्ली में फूल रहा दम केंद्र सरकार के कर्मचारियों के ऑफिस आने का समय बदला

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने दिल्ली में बड़े प्रदूषण के मद्देनजर अपने कर्मचारियों के लिए अलग-अलग कार्य समय की घोषणा की। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में कर्मचारियों से यह भी कहा गया है कि वे पुर्लिंग वाहन का इस्तेमाल करें और वाहन प्रदूषण को कम करने के लिए सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। जारी आदेश में लिखा गया है कि दिल्ली में वायु प्रदूषण के गंभीर से भी अधिक स्तर को देखते हुए, केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और संगठनों को सलाह दी जाती है कि वे दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थित कार्यालयों के संबंध में अलग-अलग समय अपनायें। आदेश में आगे लिखा है, कार्यालय सुबह 9 बजे से शाम 5.30 बजे तक और सुबह 10 बजे से शाम 6.30 बजे तक खुले रह सकते हैं।

दिल्ली सरकार पहले कर चुकी घोषणा : इससे पहले दिल्ली सरकार ने घोषणा बुधवार को

घोषणा की है कि अब सरकारी दफ्तरों में 50 फीसदी कर्मचारी घर से काम करेंगे और 50 फीसदी कार्यालय आवेंगे। राजधानी में जैसे जैसे प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है सरकार की ओर से चीजों को लेकर प्रतिबंध लगाये जा रहे हैं। ग्रेप-4 पहले ही लागू हो चुका है। स्कूल-कॉलेजों को बंद कर दिया है। अब कर्मचारियों के स्वास्थ्य को देखते हुए घर से काम करने के लिए कब दिया गया है।

गुरुग्राम में भी वर्क फ्रॉम होम की सुविधा : वहीं गुरुग्राम में भी बढ़ते एक्यूआह को देखते हुए मंगलवार को जिला प्रशासन ने वर्क फॉर होम के लिए एडवाइजरी जारी कर दी। उपायुक्त की ओर से जारी इस एडवाइजरी में कॉर्पोरेट और निजी क्षेत्र की कंपनियों से कहा गया है कि 50 फीसदी कर्मचारियों को घर से ही काम करने की अनुमति दी जाये। उपायुक्त ने सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की भौतिक उपस्थिति पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है।

दिल्ली हाइकोर्ट ने आबकारी नीति मामले में केजरीवाल के खिलाफ सुनवाई पर रोक लगाने से किया इनकार

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मुकदमे की कार्यवाही पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया है। केजरीवाल दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 से जुड़ी अनियमितताओं के एक मामले में आरोपी हैं।

न्यायमूर्ति मनोज कुमार

ओहरी ने मामले में आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के निचली अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली केजरीवाल की याचिका पर जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय से जवाब मांगा। अब इस केस की सुनवाई 20 दिसंबर को होगी। **केजरीवाल ने ईकोर्ट में दी थी चुनौती** : केजरीवाल ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर आरोपपत्र

इजराइली पीएम नेतन्याहू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

गाजा में युद्ध पर

इंटरनेशनल कोर्ट का आदेश

पूर्व रक्षा मंत्री योग गैलेंट का नाम भी शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिमिनल कोर्ट (आइसीसी) ने गुरुवार को अररेस्ट वारंट जारी किया है। नेतन्याहू के खिलाफ गाजा में युद्ध अपराध (वॉर क्राइम) का आरोप है। इस मामले में इजराइल के पूर्व रक्षा मंत्री योग गैलेंट और हमास के पूर्व कमांडर मोहम्मद दाइफ के खिलाफ भी वारंट जारी हुआ है।

आइसीसी ने कहा कि गाजा में भुखमरी और फिलिस्तीनियों के खिलाफ अत्याचारों के लिए नेतन्याहू और गैलेंट को जिम्मेदार ठहराये जाने के लिए ठोस आधार है। वारंट में मोहम्मद दाइफ को इजराइल में 7 अक्टूबर को बड़े पैमाने पर हत्याओं, बलात्कार और लोगों को बंधक बनाकर साथ ले जाने का आरोप है। हालांकि

इजराइल ने दावा किया था कि उसने जुलाई में एक हमले में मोहम्मद दाइफ का मार दिया है। आइसीसी यूक्रेन में वॉर क्राइम के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी कर चुका है।

इजराइल ने आरोपों को खारिज किया : इजराइल ने आइसीसी के क्षेत्राधिकार को खारिज करते हुए गाजा में युद्ध अपराधों से इनकार किया है। इजराइल के पूर्व प्रधानमंत्री नफ्ताली बैनेट ने नेतन्याहू और गैलेंट के खिलाफ वारंट जारी करने की आलोचना की है। इजराइल के प्रमुख विपक्षी नेता यायर लिपिड ने इस आदेश की निंदा करते हुए इसे आतंकवाद के लिए इनाम करार दिया।

आइसीसी के पास गिरफ्तारी की पावर नहीं : आइसीसी ने यह वारंट जारी तो कर दिया है, लेकिन उसके पास संदिग्धों की गिरफ्तारी की शक्तियां नहीं हैं। वह सिर्फ उन देशों में अपने अधिकार का इस्तेमाल कर सकता है, जिन्होंने इस कोर्ट की स्थापना करने वाले समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं।

पर संज्ञान लेने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को 20 नवंबर को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। **इस आधार पर दी थी चुनौती** : केजरीवाल ने हाईकोर्ट से इस आधार पर ट्रायल कोर्ट के आदेश को रद्द करने का निर्देश देने की मांग की कि विशेष न्यायाधीश ने पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ अभियोजन के लिए किसी मंजूरी के अभाव में आरोपपत्र पर संज्ञान लिया। यह

कथित अपराध के समय एक लोक सेवक थे। 12 नवंबर को हाईकोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एजेंसी की शिकायत पर उन्हें जारी समन को चुनौती देने वाली केजरीवाल की एक और याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा था। हाईकोर्ट ने अपराधिक मामले में इस स्तर पर ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया था।



मतगणना परिसर में प्रवेश के लिए होंगे कड़े नियम, संबंधित लोगों को दी गयी जानकारी

अभ्यर्थी, अभिकर्ता तथा कर्मियों के लिए अलग-अलग रंग के होंगे परिचय पत्र

परिचय पत्र धारक दो स्तर की तलाशी के उपरांत ही जा पायेंगे अंदर

हॉल में प्रवेश के बाद बाहर नहीं जायेंगे गणन अभिकर्ता

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। विधानसभा निर्वाचन के क्रम में मतगणना का काम 23 नवंबर को किया जाना है। गढ़वा में मतगणना के लिए निर्धारित बाजार समिति परिसर में प्रवेश के लिए कड़े नियम रहेंगे।

80 गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के निर्वाची पदाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि मतगणना दिवस पर कोई भी अधिकृत व्यक्ति अपना परिचय पत्र दिखाकर ही परिसर के अंदर प्रवेश कर पायेगा।

अलग-अलग रंगों के हैं परिचय पत्र : निर्वाची पदाधिकारी ने बताया कि प्रत्याशी एवं उनके

निर्वाचन अभिकर्ता के लिए सफेद रंग का पहचान पत्र, मतगणना कर्मियों के लिए गुलाबी रंग का जबकि मतगणना अभिकर्ताओं के लिए पीले रंग का पहचान पत्र दिया जा रहा है। मतगणना परिसर में प्रवेश के दौरान पहले चेक पाईंट पर ही परिचय पत्र मांगा जायेगा, आधिकारिक तौर से जारी परिचय पत्र दिखाने के उपरांत प्रवेश दिया जायेगा।

गणन अभिकर्ताओं को वाहन अंदर ले जाने की अनुमति नहीं : प्रत्याशियों को बाजार समिति परिसर में उनके लिए निर्धारित वाहन पड़ाव स्थल तक अपना वाहन ले जाने की अनुमति होगी। किंतु अभ्यर्थियों के गणन अभिकर्ताओं को परिसर के अंदर वाहन लाने की अनुमति नहीं होगी। बल्कि वे चाहें तो अपना वाहन बाजार समिति के सामने रोड की दूसरी तरफ स्थित मैदान



में पार्क कर सकते हैं। निर्वाचन कार्य में संलग्न पदाधिकारी, सरकारी कर्मचारी और विशिष्ट व्यक्तियों के वाहन मतगणना परिसर के अंदर चेकिंग पाईंट 'सी' के पहले निर्धारित स्थल पर पार्क किये जायेंगे। गणन अभिकर्ताओं को बाहर जाने की नहीं होगी। अनुमति गणन अभिकर्ता एक बार अपने मतदान हाल में जाकर अपना स्थान ग्रहण कर लेंगे, उसके उपरांत उन्हें बाहर जाने की

अनुमति सामान्यतया नहीं होगी। उनसे अपेक्षा होगी कि वे मतगणना पूरी होने के बाद ही वहां से बाहर जायेंगे। गणन अभिकर्ता अपने साथ मोबाइल या किसी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक गैजेट नहीं ले जायेंगे। उन्हें मतगणना कक्ष के अंदर पानी बोलत ले जाना भी अनुमत्य नहीं होगा।

दो लेवल पर होंगी तलाशी : प्रवेश के समय राज्य सशस्त्र बल तथा केंद्रीय बलों द्वारा अपने-अपने स्तर से तलाशी ली जायेगी। तलाशी के समय मिले माचिस, लाइटर, हथियार आदि के अलावा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को जब्त कर लिया जायेगा। नियम विरुद्ध आचरण करने वालों को न केवल प्रवेश से रोक दिया जायेगा, बल्कि उन पर कार्रवाई भी की जायेगी।

आरके टेबल पर अभ्यर्थी या उसके प्रतिनिधि उपस्थित रह सकेंगे : संजय कुमार ने बताया

कि मतगणना हॉल में स्थित निर्वाची पदाधिकारी की मेज के निकट अभ्यर्थी उपस्थित रह सकते हैं। वे चाहें तो अपने प्रतिनिधि के रूप में अपने निर्वाचन अभिकर्ता या प्रतिनियुक्त गणन अभिकर्ता को भी अपने बदले उपस्थित रख सकते हैं। किंतु यहां स्पष्ट किया गया कि निर्वाची पदाधिकारी टेबल पर अभ्यर्थी, निर्वाचन अभिकर्ता या मतगणना अभिकर्ता में से कोई एक ही व्यक्ति एक समय में उपस्थित रह सकेगा।

ईवीएम तथा पोस्टल बैलट दोनों की मतगणना हेतु बनाये गये हैं अलग-अलग कक्ष : संजय कुमार ने बताया कि ईवीएम और पोस्टल बैलट दोनों प्रकार के मतों की गणना के लिए पृथक-पृथक कक्षों में व्यवस्था की गई है, इसलिए प्रत्याशियों के गणन अभिकर्ता दोनों कक्षों में मौजूद रहेंगे।

बिलासपुर ग्राम स्थित झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक में असफल लूट कांड का हुआ खुलासा

घटना में शामिल चार आरोपी गिरफ्तार

उनके पास से तीन देसी कट्टा, एक पिस्टल और लूट कांड में प्रयोग बाइक जब्त

आजाद सिपाही संवाददाता

बंशीधर नगर। स्थानीय पुलिस ने 20 दिन पूर्व थाना क्षेत्र के सीमावर्ती बिलासपुर ग्राम स्थित झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक में असफल लूट कांड का खुलासा करने का सफलता हासिल किया है। घटना में शामिल चार आरोपी को गिरफ्तार किया है तथा तीन देशी कट्टा, एक पिस्टल और लुट कांड में प्रयोग बाइक भी जब्त किया है। गुरुवार को स्थानीय थाना में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान एसडीपीओ सतेंद्र नारायण सिंह ने बताया कि पिछले माह 23 तारीख को बिलासपुर स्थित झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक में लुट की घटना का



प्रयास किया था। उन्होंने बताया कि इस दौरान संबंधित शाखा प्रबंधक के साथ मारपीट करने का मामला के बाद बंशीधर नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज किया था। प्राथमिकी के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक टीम गठित किया गया, जिसके बाद अनुसंधान प्रारंभ करते हुए धुर्की थाना क्षेत्र के कदवा

ग्राम निवासी पंकज पासवान, बंशीधर नगर थाना क्षेत्र के सिंहपुर ग्राम निवासी शिव कुमार राम, चिनिया थाना क्षेत्र के चीनिया ग्राम निवासी विनय कुमार सिंह, उतर प्रदेश के गोंडा जिला के मानिकपुर थाना क्षेत्र के बनकसिया ग्राम निवासी दिव्यांश शुक्ला उर्फ सूरज शुक्ला को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि चारों आरोपियों ने घटना में सॉलिपता स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि इस घटना में रंका एसडीपीओ रोहित कुमार सिंह तथा छत्तीसगढ़ के गांधीनगर पुलिस की भूमिका अहम रहा। उन्होंने बताया कि छापेमारी दल में मेरे अलावे पुलिस इंस्पेक्टर रतन कुमार सिंह, थाना प्रभारी आदित्य नायक, धुर्की थाना प्रभारी उषेंद्र कुमार, पु अवर निरीक्षक जितेंद्र कुमार, अनुज कुमार सिंह, संजय पासवान, पुलिस जवान कौशल कुमार द्विवेदी, अनिल कुमार राजा, बिकास कुमार तिवारी का नाम शामिल है।

नशीली दवाओं के लत और मादक द्रव्यों के सेवन पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

रंका (आजाद सिपाही)। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय भारत सरकार के अनुषांगिक इकाई नेहरू युवा केंद्र गढ़वा जिला युवा अधिकारी कंचन कुमारी के नेतृत्व में रंका अनुमंडल मुख्यालय स्थित आरके प्लस टू उच्च विद्यालय के सभागार में युवा क्लब के कार्यक्रमों के साथ-साथ महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में नशीली दवाओं की लत और मादक पदार्थों के सेवन पर जागरूकता शिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ रंका थाना के एसआई प्रदीप कुमार केशरी, एनवाईसी के जिला पदाधिकारी कंचन कुमारी, सीआरपी संजय प्रसाद, चिकित्सा पदाधिकारी गोरखनाथ पांडेय, प्रीति सिंह, तरुण विश्वास, प्रवक्तव्यापक अमित कुमार और एनवाईसी स्वयंसेवक अमरेंद्र कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। एसआई प्रदीप कुमार केशरी ने कहा कि नशा नाश का कारण होता है। नशा के कारण घर परिवार का खुशहाल जीवन नरक बन जाता है। चिकित्सा पदाधिकारी डॉ गोरखनाथ पांडेय ने कहा कि आज देश के अधिकतर युवा नशा के चपेट में आकर अपना जीवन लीला समाप्त कर रहा है। कार्यक्रम में सीआरपी संजय प्रसाद, एनवाईसी के जिला पदाधिकारी कंचन कुमारी आदि ने विचार व्यक्त किया जबकि संचालन अमरेंद्र कुमार ने किया।



अंजलि शाश्वत वैश्विक पहचान बनाये ऐसी मैं कामना करता हूं : राज्यपाल

जहां के संन्यासी भी बनते विश्व विजेता हैं, वो विश्वगुरु मेरा भारत ब्रह्म ज्ञान प्रणेता है : अंजलि शाश्वत

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। विश्व के सबसे बड़े काव्य मंच 'राष्ट्रीय कवि संगम' द्वारा दिल्ली में 15, 16 व 17 नवंबर 2024 को आयोजित '18वीं दस्तक युवा पीढ़ी की' नामक कार्यक्रम में विभिन्न प्रांतों से एक युवा कवि/कवयित्री को चयनित कर बुलाया गया था, जिसमें झारखंड प्रांत से नवादा (गढ़वा) की अंजलि शाश्वत को अपने प्रांत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त हुआ।

उक्त आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविख्यात कवि



डॉक्टर कुमार विश्वास, विशिष्ट अतिथिद्वय स्वामी चिदानंद सरस्वती व दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर योगेश सिंह, राष्ट्रीय कवि संगम के संरक्षक डॉक्टर हरिओम पंवार, राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश मित्तल, उपाध्यक्ष अशोक बत्रा, महामंत्री महेश शर्मा

आदि उपस्थित थे। **युवा सांसद झारखंड-2023 अंजलि शाश्वत ने अपनी कविता :** 'राम ही अर्चना राम वरदान हैं...' तथा 'ब्रह्मज्ञान प्रणेता' की प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके उपरांत अतिथियों द्वारा अंगवस्त्र, प्रशस्ति-

पत्र तथा प्रतीक चिह्न प्रदान कर अंजलि शाश्वत को सम्मानित भी किया गया। वापसी पर झारखंड के महामहिम राज्यपाल संतोष गंगवार ने अंजलि शाश्वत को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि कवयित्री अंजलि शाश्वत भारतीय संस्कृति को पल्लवित-पुष्पित करते हुए अपनी प्रतिभा के बल पर वैश्विक पहचान बनाये, ऐसी मैं कामना करता हूं। संस्कार भारती गढ़वा जिला इकाई की सहमंत्री अंजलि शाश्वत ने कहा कि गढ़वा जैसे शहर जहां पर काव्य या कला को लेकर कोई विशेष माहौल नहीं है वहां से विश्व के सबसे बड़े काव्य मंच 'राष्ट्रीय कवि संगम' तक पहुंचना ही मेरे लिए बहुत बात है। इसके लिए मैं उन सभी बड़ों और साथियों की आभारी हूं जो वहां तक पहुंचने में मेरे सहायक बने।

टेंपो दुर्घटना में चालक की मौत

मृतक सुनील विश्वकर्मा अपने पीछे पत्नी कविता तथा दो लड़की और एक लड़का रागिनी को छोड़ गया

टेंपो चलाकर करता था अपने परिवार का भरण पोषण

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। डंडई मेराल मुख्य पथ पर बाना हाई स्कूल के समीप टेंपो दुर्घटना में चालक सुनील विश्वकर्मा 32 वर्ष पिता छेदी विश्वकर्मा की मौत हो गयी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सुनील टेंपो लेकर मेराल से अपने घर बाना जा रहा था। इसी बीच बाना हाई स्कूल के मुख्य द्वार के सामने मुख्य सड़क पर बिजली पोला पर मिट्टी डालकर बनाये गये ब्रेकर पर टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गया और सुनील टेंपो के नीचे दब गया, जिससे उसकी मौत तुरंत हो गयी। घटना की सूचना पर मेराल पुलिस ने अहले सुबह शव को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण हेतु सदर अस्पताल गढ़वा भेज दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार सुनील बहुत ही गरीब युवक था, जो जमीन बेचकर एक वर्ष पूर्व टेंपो



स्पीड रोड पर बिजली पोल रखकर बनाया गया ब्रेकर जहां टेंपो एक्सीडेंट हुआ।

लिया था। टेंपो चला कर अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करता था। लेकिन स्पीड रोड पर बिजली खंभा पोल रखकर मिट्टी डालकर बनाये गये बेतरतीब ब्रेकर के कारण दुर्घटना के शिकार हो जाने से उसकी मौत हो गयी। सुनील अपने पीछे पत्नी कविता तथा दो लड़की और एक लड़का रागिनी लगभग 12 वर्ष ज्योति 9 वर्ष और एक 6 वर्ष का बेटा सत्यम कुमार को छोड़ गया जो बेसहारा हो गये। दुर्घटना के बाद शोक संतप्त परिवार के सदस्यों को सातवना देने पहुंचे सनेश विश्वकर्मा, आदेश विश्वकर्मा, राजेश प्रजापति, कृष्ण ठाकुर, वीरेंद्र विश्वकर्मा, अवधेश विश्वकर्मा सहित लोगों ने बताया कि बाना स्कूल के सामने मुख्य मार्ग में बिजली पोल रखकर ब्रेकर नहीं बनाया गया होता, तो सुनील के साथ ऐसा दुर्घटना नहीं होता। इधर बाना मुख्य मार्ग पर

बिजली पोल का खंभा रखकर ब्रेकर बनाये जाने के संबंध में पृष्ठने पर उत्कर्मित उच्च विद्यालय हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक आसिफ शेख ने बताया कि विगत 6 नवंबर को मोटरसाइकिल के चपेट में आने के कारण वर्ग 10 की छात्रा चांदनी कुमारी पिता गिरजा सिंह की सर में चोट लगने के कारण घायल हो गयी थी, जिसका इलाज अभी भी रांची में चल रहा है।

उनके द्वारा ग्रामीणों के साथ मेराल थाना और अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा को हाई स्कूल के सामने मुख्य सड़क पर ब्रेकर बनाये जाने को लेकर लिखित आवेदन दिया है। कोई कार्रवाई नहीं होने पर ग्रामीणों के साथ मिलकर मुख्य सड़क पर बिजली खंभा पोल रखकर मिट्टी डालकर के ब्रेकर बनाया गया है। ब्रेकर बनवाने का उनका मुख्य उद्देश्य सिर्फ दुर्घटना को रोकना है।

डीएवी लीलावचन पब्लिक स्कूल में अभिभावक गोष्ठी का हुआ आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। प्रखंड के लातदाग स्थित डीएवी लीला वचन पब्लिक स्कूल में बुधवार को निदेशक सुरेंद्र विश्वकर्मा की अध्यक्षता में अभिभावक मीट का आयोजन हुआ। बैठक में विद्यालय एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं नामांकन में त्रुटि के संबंध में विशेष चर्चा हुई। बैठक में बड़ी संख्या में उपस्थित अभिभावकों को संबोधित करते हुए निदेशक श्री विश्वकर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों के चहुंमुखी विकास के



प्रति अपने इस योगदान को संदेव प्रथम स्थान पर रखते हुए, समय-समय पर आयोजित होने वाली शिक्षक-अभिभावक बैठक में अवश्य भाग लें। आपका आगमन हमारा मनोबल और बढ़ाएगा, साथ ही आपके सुझाव हमें व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से

चलाने में सहायक होगा। बैठक में प्राचार्य मनोज कुमार, कोषाध्यक्ष पारसनाथ विश्वकर्मा, शिक्षक निजवान अंसारी, कमरुद्दीन अंसारी, नागेंद्र ठाकुर, सुफिया, नाहिद, अमिता कुमारी शाहिद बड़ी संख्या में अभिभावक शामिल थे।

आरके पब्लिक स्कूल में विज्ञान मेला का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। प्रखंड अंतर्गत अधोरा में स्थित आरके पब्लिक स्कूल में गुरुवार को विज्ञान मेला का आयोजन किया गया। मेला का शुभारंभ स्कूल के निदेशक अलखनाथ पांडेय ने निरीक्षण कर किया। मेला में बच्चों के द्वारा एक से बढ़कर एक प्रदर्श लगाये गये थे। निरीक्षण के दौरान स्कूल के निदेशक श्री पांडेय ने बच्चों के द्वारा प्रस्तुत किये गये विज्ञान संबंधित मॉडल को देख काफी प्रसन्न हुये तथा बच्चों का जमकर उत्साहवर्द्धन किया।

उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे बच्चों के द्वारा एक से बढ़कर एक प्रदर्श लगाया गया जो बहुत ही सराहनीय है। विज्ञान मेला जैसे



कार्यक्रम आयोजित किये जाने से बच्चों का बौद्धिक विकास होता है। बच्चों की सोचने और समझने की शक्ति विकसित होती है। विद्यालय के प्रधानाचार्य लक्ष्मीकांत ओझा ने बताया कि हमारे जीवन में विज्ञान का बहुत ही योगदान है। लेकिन हमारे उपयोग विधि पर निर्भर करता है। विज्ञान एक अच्छे कार्यकर्ता भी है तथा एक खतरनाक मालिक भी है। उन्होंने

बच्चों के प्रदर्श की जमकर सराहना की। मेला में बेहतर प्रदर्श लगाने के लिये इशिका गुला और अंश प्रताप देव प्रथम, ऋतिक राज द्वितीय तथा सत्यम कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में कक्षा शिक्षु से दूसरी तक के बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर ओमप्रकाश चौबे, संतोष प्रताप देव, विद्यालय के शिक्षक अमर कुमार, प्रशांत चौबे, रविकांत चौबे, राहुल सोनी, अखिलेश पांडेय, प्रतिभा कुमारी, प्रीति देवी, प्रीति देव, सुप्रिया पांडेय, सुप्रिया चौबे, पूजा सोनी, दिव्या रानी, गार्गी जायसवाल समेत बड़ी संख्या में बच्चों के अभिभावक मौजूद थे।

Format C-1

Declaration about criminal cases
Declaration about criminal cases as per the judgment dated 25th September 2018 of Hon'ble Supreme Court in WP(Civil) No. 536 of 2011 (Public Interest Foundation& ors. Versus Union of India & Anr.
Name and address of candidate :- **Tirth Nath Aakash S/o Kamdeo Mahto, Resident of 1079, Jagriti Nagar, Ambedkar Nagar, Tupkadih, P.O. Tupkadih, P.S. Jaridih, District Bokaro (Jharkhand)-827010.**
Name of political party : **Independent.**
Name of Election: **Jharkhand Legislative Assembly, 2024.**
Name of constituency:-**35 Bermo**
I, TIRTH NATH AAKASH, a candidate for the above mentioned election, declare for publication information the following details about my criminal antecedents:-
(A) Pending Criminal Cases :-

(A) Pending Criminal Cases				
Sl. No.	Name of Court	Case No. and Dated	Status of case (s)	Section(s) of Acts concerned and brief description of offence (s)
1.	Sri S. Mahto J.M.F.C. Ranchi	Chutia P.S. Case No. 31/2024	Pending	353 of I.P.C.
2.	C.J.M. Sahebganj	Borio(J) P.S. Case No. 206/2021	Pending	66 'C', 'D', 'E' of I.T. Act 384, 500, 504, 506, 120 'B' 34 I.P.C
3.	Sri A/Srivastav J.M.F.C. Ranchi	Cyber Crime P.S. Case No.15/2017	Pending	153,295, 295 'A', 298, 469 501, 502, 504, 506, I.P.C.
(B) Details about case of conviction for criminal offences				
Sl. No.	Name of Court & date(s) of order(s)	Description of office(s) punishment imposed	Maximum Punishment imposed	
1	NA	NA	NA	
2	NA	NA	NA	
3	NA	NA	NA	
Tirath Nath Aakash				

मतगणना को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी आरओ- पदाधिकारियों के साथ की बैठक काउंटिंग के दौरान छोटी से छोटी गलती भी नहीं होनी चाहिए: डीसी

आजाद सिपाही संवाददाता
मेदिनीनगर। विधानसभा चुनाव बुधवार को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो चुका है। अब मतगणना की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसे लेकर डीसी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी शशि रंजन ने सभी आरओ व मतगणना से जुड़े अन्य पदाधिकारियों व कर्मियों के साथ गुरुवार को बैठक की। समाहरणालय सभागार में आयोजित बैठक में उन्होंने मतगणना को लेकर की जाने वाली तैयारियों के संबंध में पदाधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया। इस दौरान संबंधित



चुनाव से संबंधित मुद्दों को लेकर अधिकारियों के साथ चर्चा करते डीसी शशि रंजन।

पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेवारी सौंपी गयी। बैठक में मतगणना केंद्र के अंदर और बाहर सुरक्षा व्यवस्था, मतगणना एजेंट

एवं मतगणनाकर्मियों के लिए प्रवेश द्वार, बैरिकेटिंग, पार्किंग व्यवस्था, मतगणना कर्मियों के लिए पहचान पत्र, पेयजल की

व्यवस्था, साफ-सफाई, विद्युत व्यवस्था, सीसीटीवी का अधिष्ठापन सहित अन्य विषय पर चर्चा की। उन्होंने स्ट्रांग रूम से काउंटिंग हॉल तक ईवीएम के परिवहन को लेकर मैनपावर को चिन्हित करने की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने सभी के टी-शर्ट पर नंबरिंग करने की बात कही। कहा कि काउंटिंग हॉल में किसी भी तरह का इलेक्ट्रॉनिक गैजेट यथा- मोबाइल आदि लेने जाना पूर्ण प्रतिबंधित है। इस पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कर्मियों के खाने-पीने की व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

कहा कि प्रत्येक राउंड के बाद रिजल्ट की घोषणा की जानी है अतः मार्किंग का उच्चतम गुणवत्ता का रखने पर बल दिया। कहा कि काउंटिंग में किसी प्रकार की छोटी गलती भी ना हो, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि सभी कर्मी प्रातः 7 बजे काउंटिंग स्थल पहुंचे यह भी सुनिश्चित होना चाहिये। इसके अलावे उन्होंने पोस्टल बैलेट व ईटीबीपीएस की काउंटिंग के लिए भी सारी व्यवस्थाएं को तयसमय व दुरुस्त कर लेने की बात कही। इस अवसर पर पांचो आरओ, सभी एआरओ सहित विभिन्न कोषांगों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

शुभ कार्यों का आरंभ केक-फीता काटकर नहीं, पौधा लगाकर करें: डॉ कौशल किशोर

भीषण गर्मी, प्रदूषण और भीषण जल संकट से मुक्ति पाना है तो लोगों को पर्यावरण धर्म को भी अपनाना ही होगा : अमित कुमार जायसवाल

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। छतरपुर अनुमंडल के इटकदाग पंचायत के सुगरी गांव में मुखदेव यादव के श्राद्ध पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम दुगोला गायन मुकाबला का शुभारंभ विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु पर्यावरणविद डॉ कौशल किशोर जायसवाल, रामजतन यादव और छतरपुर पुरी के जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल ने थाईलैंड प्रजाति के बारहमासी आम का पौधा लगाकर किया। इस अवसर पर टी मैन डॉ कौशल ने कार्यक्रम में शामिल लोगों को पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के साथ पौधरोपण कर उन्हें पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों की शपथ दिलाई। कहा कि लोग अपने धर्म के साथ ही पर्यावरण धर्म के आठ



पौधा लगाते व शपथ दिलाते पर्यावरणविद डॉ कौशल व पार्षद अमित।

मूल मंत्रों को अपनाते हुए किसी भी कार्यक्रम की शुरूआत केक और फीता काटकर करना छोड़ दे। अगर उसके स्थान पर लोग एक-एक पौधा लगाएं तो एक साल में करोड़ों पेड़ों का इजाफा हो जाएगा। जिससे करीब दो वर्षों के भीतर भीषण गर्मी व जल संकट के साथ ही प्रदूषण से भी आजादी मिल सकती है। वहीं, छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित जायसवाल ने कहा कि देश को भीषण गर्मी, प्रदूषण और भीषण जल संकट से मुक्ति पाना है तो लोगों को पर्यावरण धर्म को भी अपनाना ही होगा। क्योंकि दूसरा कोई विकल्प नहीं है। वहीं, बिहार से आये

व्यास गुड्डू हलचल और झारखंड के व्यास अखिलेश यादव ने अपनी गायिकी से लोगों का खूब मनोरंजन किया। इस मौके पर हटुकदाग पंचायत के मुखिया राजेंद्र सिंह, चिरु पंचायत के मुखिया पति प्रमोद यादव, डाली पंचायत के पूर्व उप मुखिया अफजाल अंसारी, स्व मुखदेव यादव के पुत्र रामजतन यादव, कामेश्वर यादव, राम रतन यादव, जगदीश यादव, रिश्तेदार, प्रभु यादव, भोला यादव, कर्म देव यादव, पोता विजय यादव, पप्पू यादव, उदय यादव, अंजन यादव, सोनू यादव, सनोज यादव, रविंदर यादव और विजेंद्र यादव शामिल थे।

हुसैनाबाद कृषि तकनीकी सूचना केंद्र से चना बीज की हुई चोरी



हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। कृषि तकनीकी सूचना केंद्र के हुसैनाबाद कार्यालय में किसानों के बीच वितरण के लिए रखे गए चना के बीज चोरी हो गये है। इस संबंध में केंद्र के सहायक तकनीकी प्रबंधक जय गोविंद यादव ने हुसैनाबाद थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने आवेदन में बताया है कि बुधवार की शाम करीब पांच बजे अपने कर्मियों के साथ कार्यालय बंद कर

घर चले गए थे। गुरुवार की सुबह जब कर्मियों के साथ कार्यालय पहुंचे और ताला खोला तो देखा की खिड़की टूटी हुई है। कार्यालय का एक दरवाजा भी टूटा है और उसमें रखा बीज गायब है। कुल 11 फ्रिंटल 40 किलो चना बीज चोरी हुआ है, जिसकी कीमत एक लाख आठ हजार 870 रुपए है। उन्होंने थाना प्रभारी से मामले की जांच कर अज्ञात चोरों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के बीच गरम वस्त्र का वितरण



हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। बाल विकास परियोजना कार्यालय की ओर से नगर पंचायत के कुम्हार टोला आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को गर्म वस्त्र उपलब्ध कराया गया है। पूर्व वार्ड पार्षद सुहैल आलम व आंगनबाड़ी सेविका दमयंती देवी ने संयुक्त रूप से वस्त्र वितरण किया। सुहैल आलम ने कहा कि आंगनबाड़ी

केंद्र में आने वाले अधिकतर बच्चे गरीब परिवार से आते हैं। सरकार ने इन्हें गर्म वस्त्र उपलब्ध करारकर सराहनीय कार्य किया है। गर्म वस्त्र मिलने से बच्चे सुबह ठंड के मौसम में भी आंगनबाड़ी केंद्र आसानी से आ सकेंगे। मौके पर आंगनबाड़ी सहायिका गुड़िया देवी के अलावा अन्य लोग मौजूद थे।

कार में छिपाकर बिहार ले जायी जा रही 30 कार्टून अवैध देशी शराब जब्त

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। दंगवार ओपी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापाकारी कर अवैध देशी शराब जब्त किया है। इस संबंध में दंगवार ओपी प्रभारी सोनू कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि ग्राम देवरी कला से एक सफेद रंग की कार में अवैध देशी शराब भरकर सत्कर दंगवार के रास्ते बिहार जाने की फिराक में हैं। उक्त सूचना के सत्यापन के लिए वरीय पदाधिकारी को सूचित किया गया। साथ ही सशस्त्र बल के साथ ओपी से जजला की ओर जाने का निर्देश दिया गया। जैसे ही ग्राम नदियाइन के पास पुलिस पहुंची तो देखा कि उक्त गाड़ी सड़क के किनारे कड़ी है। उसकी जांच के क्रम में पाया कि वाहन का गेट एवं पिछे की डिक्की खुली हुई है। जिसके बाद दो स्वतंत्र साक्षों के समक्ष उक्त वाहन में लदे कार्टन की गणना करने पर 30 कार्टन



निकले जिसमें से एक को खोलने पर 25 पारदर्शी प्लास्टिक की बोतल जिस पर टनाका देशी शराब लिखा था। इस तरह 225 लीटर देशी टनाका शराब को वाहन सहित जब्त कर दंगवार ओपी में लाया गया। ओपी प्रभारी ने बताया कि

इस संबंध में हुसैनाबाद थाने में कांड संख्या 237/2024 के तहत बुदवार को की भादवि की धारा 274, 275, 292 बीएनएस एवं 47 (ए) उत्पाद अधिनियम के तहत कार के मालिक, चालक एवं अन्य अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

सड़क निर्माण में घटिया सामग्री के इस्तेमाल पर ग्रामीणों में आक्रोश, काम को रुकवाया

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। रेहला-बीमोड़ मुख्य पथ से गोदरमा गांव होते हुए उरसुला तक बन रहे तीन किलोमीटर लंबी सड़क कालीकरण कार्य में घटिया सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है। जिसे देख गुरुवार को ग्रामीण आक्रोशित हो गये। ग्रामीणों ने सड़क पर हंगामा करते हुए काम को बंद करवा दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि प्राक्कलन की अनदेखी करते हुए कालीकरण कार्य में घोर अनियमितता बरती जा रही है। घटिया सामग्री से निर्माण किया जा रहा है। जिससे सड़क बनते ही



उखड़ जा रही है। ग्रामीणों ने कहा कि इसकी शिकायत संबंधित विभाग के अधिकारी व डीसी से करेंगे। हंगामा करने वालों में

उदेश्वर यादव, अमीन अंसारी, सलीम अंसारी, महमूद अंसारी, रहमान अंसारी, महबूब आलम और हजरत अंसारी आदि शामिल है।

वाहन जांच के दौरान कटे 27,750 के चलान

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के छह मुहाने एवं शहर थाना गेट पर पुलिस ने सघन जांच अभियान चलाया। इ दौरान चार पहिया एवं दो पहिया वाहन के कुछ चालक बिना लाइसेंस और हेलेमेट के गाड़ी चलाते पाये गये, जिन्हें जब्त कर शहर थाना परिसर लाया गया है। इस दौरान 17 बाइक को चालान के लिए पलामू जिला परिवहन कार्यालय में भेजा गया है। गुरुवार को जिला परिवहन कार्यालय पलामू से 16 दो पहिया वाहन का



चालान 17000 हजार रुपया और पांच टपो सवारी गाड़ी व ई रिक्शा मिलाकर चालान काटी गयी,

जिसका कुल राशि 10,750 रुपया है। इसस तरह कुल चालान की राशि 27750 रुपये वसूले गये।

कोयला लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलटा

चैनपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। चैनपुर क्षेत्र के महुगावा अंतर्गत मंगरदाहा घाटी में गुरुवार को घना कोहरा होने के कारण अनियंत्रित होकर एक ट्रक पलट गया। हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं हुआ। जानकारी के मुताबिक इस दिन घना कोहरा था। चालक ने बताया कि कोयला लदाकर वह गढ़वा से डाल्टनगंज जा रहा था। धुंध ज्यादा होने के कारण सामने से आ रही गाड़ी को बचाने के चक्कर में



अनियंत्रित होकर ट्रक का पहिया सड़क में बने गड़े में गिर गया।

जिससे ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया।

आयुष्मान आरोग्य शिविर में 150 मरीजों की हुई जांच

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। पलामू जिला स्वास्थ्य समिति के तत्वाधान में हरिहरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गुरुवार को आयोजित आयुष्मान आरोग्य मासिक शिविर में 150 मरीजों को जांच कर मुफ्त दवा दी गई। इस दौरान सीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ गोपाल प्रसाद के नेतृत्व में डॉ राजेश कुशवाहा, डॉ देवेंद्र कुमार, डॉ तोहिद और डॉ अनीश कुमार ने विभिन्न गांवों से



आए मरीजों का इलाज किया। सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ गोपाल प्रसाद ने बताया कि विभागीय निर्देश अनुसार आलोक में प्रत्येक महीने 21 तरीख को मासिक शिविर का आयोजन कर

सर्दी, खांसी, बुखार, टाइफाइड मलेरिया आदि से ग्रस्त मरीजों को चिकित्सीय लाभ दिया जा रहा है। शिविर में स्वास्थ्य कर्मी विक्रांत कुमार, इमरोज अंसारी, संजोत सिन्हा, ओमप्रकाश आदि मौजूद थे।

स्पोर्ट्स

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी शुक्रवार से शुरू होने जा रहा है, जिसकी कप्तानी तेज गेंदबाद जसप्रीत बुमराह करेंगे। वहीं नियमित कप्तान रोहित शर्मा दूसरे टेस्ट से कप्तानी करेंगे।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी आज से, बुमराह करेंगे कप्तानी रोहित शर्मा 24 को ऑस्ट्रेलिया पहुंचेंगे, दूसरे टेस्ट से करेंगे टीम की कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी शुक्रवार से शुरू होने जा रही है। दोनों टीमें के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है। भारतीय टीम की नजरें ऑस्ट्रेलिया में लगातार तीसरी टेस्ट सीरीज जीतने पर लगी होगी, जबकि पैट कर्मिस की अगुआई वाली कंगारू टीम भी पलटवार के लिए तैयार होगी। भारत ने 2018-19 और 2020-21 दौरों पर ऑस्ट्रेलिया को हराया था। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच इस बहुप्रतिक्षित टेस्ट सीरीज

का इंतजार दोनों टीमें के प्रशंसकों को रहता है। 2018 से पहले भारत ने ऑस्ट्रेलिया में कभी टेस्ट सीरीज नहीं जीती थी, लेकिन पिछले दो दौरों पर वह कंगारू टीम पर हावी रही है। दूसरी ओर, टेस्ट और वनडे में भारत के नियमित कप्तान रोहित शर्मा 24 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया पहुंचेंगे। वह पर्थ में टीम से जुड़ेंगे, लेकिन टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं होंगे। वह दूसरे टेस्ट मैच से टीम की कप्तानी संभालेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक रोहित ने इस बारे में बीसीसीआइ को सूचित कर दिया है। रोहित की

गैरमौजूदगी में पहले टेस्ट में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टीम के कप्तान होंगे। वहीं केएल राहुल ओपनिंग कर सकते हैं। रोहित के अलावा बाकी भारतीय टीम 10-11 नवंबर को ही ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुकी है।

दूसरी बार पिता बने रोहित

टीम इंडिया के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित दूसरी बार पिता बने हैं। उनकी पत्नी रितिका सजदेह ने 15 नवंबर की देर रात बेटे को जन्म दिया है। रोहित ने अपने बच्चे के जन्म के लिए टीम इंडिया

से ब्रेक लिया था। बताते चलें कि रोहित ने 13 दिसंबर 2015 को रितिका सजदेह से शादी की थी। 30 दिसंबर 2018 को रितिका ने बेटी समायरा को जन्म दिया। समायरा अब 5 साल की हो चुकी है। दूसरी ओर टीम इंडिया के बैटर केएल राहुल भी जल्द ही पिता बनने वाले हैं। उन्होंने बॉलीवुड एक्ट्रेस आधिया शेड्डी से पिछले साल जनवरी में शादी की थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, राहुल जनवरी 2025 में पिता बन सकते हैं। इसी साल जनवरी में विराट कोहली भी दूसरी बार पिता बने

थे। उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा ने बेटे अकाव को जन्म दिया।

ऑस्ट्रेलिया में 5 टेस्ट खेलेगी टीम इंडिया

टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया में 32 साल बाद 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेने गई है। सीरीज का पहला मैच शुक्रवार से पर्थ में खेला जाएगा, टीम फिर 6 दिसंबर से एडिलेड में डे-नाइट टेस्ट खेलेगी। सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट 3 जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा।

अतः सम्पाचार पत्रों के माध्यम से जप्त वन पदार्थों के दावेदार (यदि कोई हो) एवं सम्बन्धित सभी को सूचित या जाना है कि वे दिनांक 03.12.2024 को प्राधिकृत पदाधिकारी—सह—वन प्रमंडल पदाधिकारी, गुमला वन डल के न्यायालय में 11-00 बजे पूर्वानुक्रमित स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा उपलब्ध साक्ष्यों एवं अभिलेखों के आधार पर एक प्रक्षीय निर्णय ले लिया जायेगा।

प्राधिकृत पदाधिकारी,
—सह—वन प्रमंडल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमंडल।

आयुर्वेद कॉलेज की हीरक जयंती
चार को, राष्ट्रपति होंगी मुख्य अतिथि

मुकेश महालिंग, पुरी के सांसद डॉ.
सर्वित कुमार पात्र और विधायक
सुनील कुमार महर्मा अतिथि के
रूप में शामिल होने वाले हैं। इस
कार्यक्रम में देश और विदेश के
लगभग 1500 आयुर्वेद
चिकित्सक, महाविद्यालयों के पूर्व
छात्र, अध्यक्ष और संकाय भाग
लेंगे।

ने के लिए रवीन्द्रनाथ टैगोर पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। यह पुरस्कार सेतु भासकारी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष, प्रोपोकरी और शिक्षाविद् डॉ सेतु कुमारन द्वारा प्रदान किया गया था। विष्व कवि सम्मेलन की विशेष सिफारिश पर, प्रति अच्युत सामंत को कला, संस्कृति और साहित्य को बढ़ावा देने के लिए रवीन्द्रनाथ टैगोर पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। यह पुरस्कार सेतु भासकारी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष, प्रोपोकरी और शिक्षाविद् डॉ सेतु कुमारन द्वारा प्रदान किया गया था। विष्व कवि सम्मेलन की विशेष सिफारिश पर, प्रति अच्युत सामंत को कला, संस्कृति और साहित्य को बढ़ावा देने के लिए उनकी प्रतिबद्धता को मान्यता देते हुए इसके कार्यकारी बोर्ड के सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। यह मान्यता परिवर्तन को प्रेरित करने और समुदायों में एकता को बढ़ावा देने के लिए कला, साहित्य और संस्कृति का लाभ उठाने की मेरी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है जो प्रति बीस वर्षों से बर रहा है।

विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान अभी हुआ नहीं है।

राजधानी विद्यनतियाने में
आयोजित हुआ।
भारत ने हमेशा बातचीत का
रास्ता चुना
इन सिद्धांतों का पालन करते हुए
ही भारत ने जटिल अंतरराष्ट्रीय
मुद्दों को बातचीत से सुलझाया है।
भारत हमेशा से स्पष्ट बातचीत और
शांतिपूर्ण समझौते के लिए प्रतिबद्ध
रहा है। खुलकर बातचीत करने से
विश्वास, आपसी समझ और
सहयोग की नींव रखी जाती है जो
स्थायी सद्देश्यों के लिए जरूरी है।
बातचीत की ताकत हमेशा प्रभावी
और सकारात्मक नतीजे देने वाली
होती है। इससे वैश्विक मंच पर
तनावमूल और क्षेत्रता बढ़ती है।
हिंद-प्रशांत और थिरता पर भारत का

[illegible]

का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, जिन्होंने सबलपुर के सांसद के रूप में आरपीडीएसी की बैठक में भाग लिया, जिला प्रशासन और कंपनी के अधिकारियों को निरंतर बातचीत और सर्वसम्मति के माध्यम से चल रही विकास पहलों में अतालमलमल जोड़ने की सलाह दी। जेएसपी के कार्यकारी निदेशक पंकज महानन ने कहा, उद्योग के नेतृत्व में सामाजिक विकास को गति देने में जेएसपी को उनके निरंतर समर्थन के लिए हम अंगुल के लोगों के आभारी हैं।

LAKSHMI VASTRALAY

अच्छे से अच्छा फिर भी सस्ता

फैन्सी

हमारे यहाँ फैंसी साड़ी, लहंगा, सूट सभी तरह के वस्त्र उचित दामों में मिलते हैं।





☎ 7033265646

Coal Board Colony, Near Dy.SP Bungalow
Police Line Hirapur, Dhanbad

आजाद सप्ताही की ओर से स्वतंत्राधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चोक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सॉल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललमुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।

संपादक: हरिनारायण सिंह, **स्थायी संपादक*:** विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक:** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायिक कार्रवाइयों एवं दंडित परिवारों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन: 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109**, Postal Registration No. **RN/249/2019-21**





ISO 9001:2015
Certified Jewellery



50% Off
on
Making
CHARGE

भारी छूट

NEW SONI JEWELLERS

आकर्षक उपहार

◆ GOLD ◆ SILVER ◆ DIAMOND

**Opp. Nirvahan Aayog (Election Commission)
Ratu Road, Chowk, Ranchi - 01**



91 9955626560

91 9431143722

प्राक्काशित

प्रारम्भिक अधिवर्षीय परीक्षा, गैरीबी क्लास अग्लोविजिशन वर्क-XI की सोर्ट्स परीक्षा - 2025 के लिए JCBERT गैरीबी क्लास वर्क परीक्षालेख पाठ्यक्रम (बहुविध विभागीय प्रश्न) पर पूर्णतः आधारित एक अत्यन्त महत्वपूर्ण परीक्षालेखों प्रश्नों का उत्तर शक्ति सफलता

घरवां प्रेरक भाव दियो, गैरीबी हटायें

CHAPTER WISE CLASS - XI 2025

JCBERT गैरीबी क्लास वर्क परीक्षालेख पाठ्यक्रम

with DMR Sheet to practice

Maths

Science

Commerce

All Subjects Combined in ONE BOOK

Subject	Topics Covered
Mind (Concept)	English (Grammar, Hindi (Elective), English (Elective), Economics, History, Political Science, Geography, Sociology, Psychology, Philosophy and Home Science
Science Subject	Hindi (Comp), English (Comp), Economics, Physics, Chemistry, Mathematics, Biology and Computer Science
Commerce Subject	Hindi (Comp), English (Comp), Economics, Accountancy, Business Studies, Commercial Arithmetic, Entrepreneurship and Computer Science

कुछ प्रमुख चीज़ें Cover पर VERMA PRESS PVT. LTD. का Logo और Address शामिल हैं। पुस्तक खरीदें!

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से संवधान!

VERMA PRESS PVT. LTD.
RANCHI (JHARKHAND) - 834 001

100% सरकारी
के लिए अनुमति प्राप्त है।